मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 198, मुंबई, गुरुवार, 15 अक्टूबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में 15 अक्टूबर से लॉकडाउन में तमाम रियायतों का

ऐलान

खुलेंगी लाइब्रेरी, चलेगी मुंबई मेट्रो, स्कूल, कॉलेज और मंदिर अभी भी रहेंगे बंद

उद्धव सरकार ने 15 अक्टूबर के बाद 50 फीसदी शिक्षकों को स्कूल बुलाने की अनुमति दी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने अनलॉक-5 के नियमों की समीक्षा के दौरान प्रदेश में मेट्रो रेल के संचालन की इजाजत दे दी है। इसके साथ ही प्रदेश में मौजूद सभी पब्लिक लाइब्रेरी को खोलने की भी इजाजत दी है। हालांकि रियायतों के ऐलान के बावजूद प्रदेश में मंदिरों को खोलने की इजाजत नहीं दी गई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मेट्रो ट्रेन में कोरोना प्रोटोकॉल का करना होगा पालन

किसी भी राजनीतिक और धार्मिक आयोजन की नहीं होगी मंजूरी

नए नियमों के बावजूद महाराष्ट्र में फिलहाल किसी राजनीतिक कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी जाएगी। इसके अलावा वैवाहिक समारोहों या अंतिम यात्राओं में 50 लोगों को ही शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। 15 अक्टूबर के बाद महाराष्ट्र में स्थानीय बाजारों को भी खोलने की इजाजत दी गई है। हालांकि कंटेनमेंट जोन में आने वाले बाजार फिलहाल बंद रहेंगे।

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
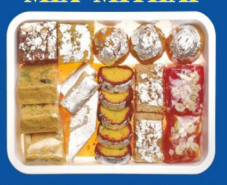
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

सरकार फड़णवीस के शासन काल की जल संरक्षण योजना की जांच कराएगी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने देवेंद्र फड़णवीस नीत पूर्ववर्ती सरकार द्वारा शुरू की गई जलयुक्त शिवार जल संरक्षण योजना की जांच कराने का फैसला किया। एक अधिकारी ने बताया कि यहां दिन में राज्य मंत्रिमंडल की एक बैठक में यह फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि योजना की जांच के लिये एक विशेष जांच टीम (एसआईटी)का गठन किया जाएगा। जलयुक्त शिवार (गांव) योजना, फड़णवीस की एक प्रिय परियोजना थी, जो 2019 तक राज्य को सूखा मुक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। परियोजना में जल धाराओं को गहरा और चौड़ा करना, जल एकत्र करने के लिये सीमेंट और मिट्टी के बांध बनाना, नाला बनाना तथा खेत तालाब बनाने का कार्य शामिल था।

ओडिशा-तेलंगाना में भारी बारिश

15 की मौत

ओडिशा के गजपति जिले में बारिश से प्रभावित हुए 12 गांवों के 500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है

संवाददाता

हैदराबाद। तेलंगाना के कई जिलों में मंगलवार रात से भारी बारिश हो रही है। राजधानी हैदराबाद में बीते 24 घंटे में यहां 20 सेमी बारिश हुई। इसके बाद शहर की सड़कों पर पानी भर गया। कई गाड़ियां पानी के तेज बहाव में बह गईं। वहीं, राज्य में अब तक 15 लोगों की मौत हुई है। शहर के बंडलगुडा इलाके में एक घर पर पत्थर गिरने से 2 महीने के बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग् घायल हो गए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव

CORONA POSITIVE

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- 26 से 60 साल के बीच 45% मरीजों ने जान गंवाई, अब तक 72.90 लाख केस

संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। समाजवादी पार्टी के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी दी गई है। ट्वीट में कहा गया है, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल उनमें कोरोना के एक भी लक्षण नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

उम्मीद बढ़ाते रुझान

एक लंबे इंतजार के बाद कोरोना के हवाले से कुछ अच्छी खबरें आई हैं। सोमवार को जहां डब्ल्यूएचओ की प्रमुख वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने यह उम्मीद जताई कि इस साल के आखिर या अगले वर्ष की शुरूआत में वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार हो सकती है, तो वहीं नई दिल्ली में मंत्री समूह की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने जानकारी दी कि अगले साल की शुरूआत में एक से अधिक स्रोतों से देश में वैक्सीन उपलब्ध हो सकती है। एक अन्य उत्साहित करने वाली खबर यह है कि देश में संक्रमण के नए मामलों में कमी आ रही है और पिछले कई दिनों से गिरावट का क्रम जारी है। रविवार के मुकाबले सोमवार को जहां 7,651 कम नए मामले आए, तो सोमवार के लिहाज से मंगलवार को 11,390 की गिरावट दर्ज की गई। संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर भी 86 प्रतिशत से ऊपर हो चुकी है। अगर यह क्रम आगे भी जारी रहा, तो वाकई देश के लिए बड़ी राहत की बात होगी। ये सारे आंकडे.प्रोत्साहित कर रहे हैं कि कोविड-19 पर हम निर्णायक काबू पा सकते हैं, यदि दृढ़ इच्छशक्ति दिखाएं। याद रखें, यहां तक का सफर समूची मानवता ने बिना किसी अधिकृत दवा व वैक्सीन के तय किया है और इसमें मानक एहतियातों व सहायक उपचारों ने बड़ी भूमिका निभाई है। खासकर मास्क और शारीरिक दूरी ने वायरस के प्रसार को काफी हद तक फैलने से रोका है। सरकारी प्रयासों और कोरोना वॉरियर्स की बेमिसाल कुबार्नी की बदौलत हम निरंतर बेहतर स्थिति की ओर बढे.। और आज एक ऐसी स्थिति में हैं, जो सामान्य नहीं, तो उससे बहुत दूर की स्थिति भी नहीं है। इसीलिए अनलॉक की प्रक्रिया को आज जन-सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है। हम नहीं भूल सकते कि यहां तक के सफर में हमने करीब एक लाख, 10 हजार हमवतनों को खो दिया है। उनमें से काफी सारे ऐसे लोग थे, जिन्होंने जिंदगी को देखना, जीना अभी शुरू ही किया था। अपनी कुछ शुरूआती भूलों और कमियों को हमें हमेशा याद रखना चाहिए, क्योंकि उनसे हासिल सबक ने ही हमें आगे का रास्ता दिखाया है। नागरिकों को अभी भी पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है। मगर बिहार, मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार की जो तस्वीरें खबरिया चैनलों और सोशल मीडिया में नुमायां हो रही हैं, वे चिंतित करने वाली हैं। उनमें चुनाव आयोग की हिदायतों और स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन साफ-साफ दिख रहा है। इसलिए चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन को पूरी तत्परता के साथ रैलियों की निगरानी करनी चाहिए और जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। हमें इस तथ्य को याद रखना होगा कि यूरोप के कई देशों में संक्रमण की दूसरी लहर चल पड़ी है और कहीं-कहीं तो लॉकडाउन फिर से लगाने तक की नौबत आ गई है। दुनिया भर के विशेषज्ञ आगाह कर चुके हैं कि सर्दियों का मौसम इस वायरस के लिहाज से अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। निस्संदेह, अब देश में बडे. पैमाने पर कोरोना-जांच की सुविधा है, अस्पताल भी अपेक्षाकृत अधिक मुस्तैद हैं, लेकिन कोशिश यही होनी चाहिए कि उन पर दबाव न बढे. और जो सकारात्मक रुख पिछले कुछ दिनों में बना है, उसका फायदा उठाया जाए। यह नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था, दोनों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के मोर्चे पर बिखरता भरोसा

केंद्रीय गृह मंत्रलय ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के विषय में पुलिस द्वारा की जाने वाली अनिवार्य कार्रवाई के बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए जारी की गई इस एडवाइजरी में मुख्य रूप से महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में समय पर और सक्रिय रूप से कार्रवाई करने की बात कही गई है। इसमें अनिवार्य रूप से एफआइआर दर्ज नहीं करने और कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें दुष्कर्म के मामलों में जांच की उचित प्रक्रिया अपनाने और यौन अपराध के साक्ष्यों को सही तरह से इकट्ठा करने के संबंध में पहले से जारी किए गए दिशा-निर्देशों का भी जिक्र किया गया है। वास्तव में हाल के वर्षो में देश में दुष्कर्म के मामले ही नहीं बढ़े हैं, बल्कि ऐसे मामलों में हद दर्जे की बर्बरता भी देखने को मिल रही है। ऐसे में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर कार्रवाई में होने वाली लापरवाही वाकई चिंतनीय है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे आपराधिक मामलों में सबसे ज्यादा लचरता, उदासीनता और असंवेदनशीलता पहले कदम पर ही दिख जाती है। यहां तक कि एफआइआर दर्ज करने में भी आनाकानी की जाती है। नतीजतन दुष्कर्म जैसे बर्बर मामलों की भी न केवल पूरी जांच प्रभावित होती है, बल्कि यह दोषियों के बच निकलने की सबसे बड़ी वजह भी है। अदालतों में सालों-साल ऐसे मामले चलते रहने की

वजह भी यह ढुलमुल रवैया ही है। हर बार ऐसी जघन्य वारदातों पर सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक आवाजें उठाई जाती हैं। आमलोग विरोध दर्ज करवाते हैं, लेकिन बदलाव के नाम पर कुछ नहीं बदलता। सारी संवेदनाएं और जन-प्रतिरोध की आवाजें लंबित मामलों की फेहरिस्त बढ़ाते हुए सुस्त जांच प्रक्रिया की भेंट चढ़ जाती हैं। जाने कितनी ही सिसकियां हमारी लचर व्यवस्था के बोझ तले दबकर रह जाती हैं। ऐसे मामलों के खिलाफ कार्रवाई से जुड़ा यह ढिलाई वाला गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कुत्सित मानसिकता के लोगों की हिम्मत बढ़ाता है, जबकि सीआरपीसी की धारा-173 दुष्कर्म के अपराधों की जांच दो महीनों में पूरी करने की बात करती है। यहां तक कि ऐसे मामलों को लेकर गृह मंत्रलय का ऑनलाइन पोर्टल भी है, जहां इनको ट्रैक किया जा सकता है। यौन हमले की पीड़िता का परीक्षण 24 घंटे के भीतर सहमति से किसी पंजीकृत चिकित्सक से करवाए जाने का नियम है, लेकिन शिकायत दर्ज करने से लेकर साक्ष्य जुटाने तक इतनी लचरता बरती जाती है कि पीड़िता और उसका परिवार न्याय की आस में और अन्याय डोलते रहते हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पहले भी राज्यों के लिए कई एडवाइजरी जारी की है, ताकि पुलिस महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर सख्त कार्रवाई करे। इनमें एफआइआर दर्ज करने, साक्ष्य इकट्ठा करने, दो महीनों में जांच पूरी करने और यौन अपराधियों का राष्ट्रीय डाटाबेस बनाने जैसी बातें शामिल हैं। बावजूद इसके यह लचर रवैया लगभग हर घटना के बाद और हर राज्य में देखने को मिलता है। पुलिस कार्रवाई का उपेक्षापूर्ण रवैया तो दुखदायी है ही, महिलाओं के लिए थानों में अपनी पीड़ा जाहिर करने का सही परिवेश तक नहीं है। अफसोस की बात है कि आज भी देश के अधिकांश थानों में महिला डेस्क तक नहीं हैं।

महिलाओं के प्रति होने वाले बर्बर मामलों में देश को झकझोर देने वाले निर्भया केस की अक्सर बात होती है। इस कांड में दोषियों को सजा दिलाने के लिए निर्भया के माता-पिता ने एक लंबी लड़ाई लड़ी और उन्हें फांसी के फंदे तक पहुंचाया। ध्यान रहे कि दिसंबर 2012 में हुई इस दिल दहलाने देने वाली घटना का सबसे अहम पक्ष यही रहा कि जांच में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं हुई। दिल्ली पुलिस के कई अफसरों ने पूरी गहनता से इसकी जांच की थी। इसकी जांच के लिए पुलिस वालों की एक 'निर्भया एसआइटी' नाम की टीम भी बनाई गई थी। इस टीम ने जिस तत्परता से जांच करते हुए तथ्य जुटाकर चार्जशीट तैयार की, उसकी दोषियों को सजा दिलाने में अहम भूमिका रही। असल में देखा जाए तो किसी भी आपराधिक मामले की सही और ठोस जांच की पक्की बुनियाद ही सख्त कानूनों के जरिये उसे न्याय तक पहुंचाती है। महिलाओं के खिलाफ होने वाली आपराधिक घटनाओं के मामलों में यह शुरूआती लचरता ही न्याय में सबसे बड़ी बाधा होती है। केंद्रीय गृह मंत्रलय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निदेर्शों में यह बात साफ तौर पर कही जाती रही है कि सख्त कानूनी प्रावधानों और भरोसा बहाल करने के लिए अन्य कदम उठाए जाने के बावजूद पुलिस ऐसे मामलों की जांच के दौरान अनिवार्य प्रक्रिया का पालन करने में असफल होती है तो इससे विशेष रूप से महिलाओं को उचित और सही समय पर न्याय देने में बाधा उत्पन्न होती है। इससे देश में महिला सुरक्षा भी प्रभावित होती है। अफसोस कि ऐसा ही हो भी रहा है। बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हालात ऐसे बन गए हैं कि पुलिस-प्रशासन और न्याय व्यवस्था से आमजन का भरोसा टूट रहा है।

सामाजिक अपराध पर सस्ती राजनीति

ऐसा कम ही होता है कि किसी संगीन मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दिए जाने के बाद भी उसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट भी करे और हाईकोर्ट भी। हाथरस कांड में ऐसा ही हो रहा है। हालांकि अभी इसका फैसला होना शेष है कि सीबीआइ जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट करेगा या नहीं, लेकिन जब उत्तर प्रदेश सरकार इसके लिए खुद ही पेशकश कर रही है तब फिर ऐसा ही हो तो उचित, ताकि किसी तरह के संदेह की गुंजाइश न रहे और दोषियों को जल्द दंड मिले। जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट की ओर से किए जाने से ही ऐसे आरोपों के लिए गुंजाइश शेष नहीं रहेगी कि सीबीआइ आखिरकार है तो केंद्र सरकार के ही अधीन। हाथरस कांड में सही से न्याय न हो पाने या फिर राजनीतिक कारणों से जांच प्रभावित होने के आरोपों के लिए तनिक भी गुंजाइश इसलिए नहीं रखी जानी चाहिए, क्योंकि इस मामले का कुछ ज्यादा ही राजनीतिकरण हो गया है। शायद इसी कारण

यह स्थिति बनी कि हाईकोर्ट के साथ सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले की सुनवाई कर रहा है, लेकिन क्या कोई अदालत यह भी सुनिश्चित करेगी कि हाथरस कांड सरीखे जिन मामलों का राजनीतिकरण नहीं हुआ, उनमें भी सही से और समय रहते न्याय हो? यह सवाल इसलिए कि जिन दिनों विभिन्न दलों और संगठनों के नेता हाथरस की ओर दौड़ लगाए हुए थे, उन्हीं दिनों देश के अनेक हिस्सों से हाथरस कांड जैसे तमाम मामले सामने आए, लेकिन न तो राजनीतिक दलों ने उनकी सुध ली और न ही सामाजिक संगठनों ने। इनमें से कुछ मामले तो कहीं अधिक गंभीर हैं। ऐसे मामले अभी भी सामने आ रहे हैं। इनमें से कुछ तो ऐसे हैं, जिनकी चर्चा उस जिले से बाहर भी नहीं हो रही है। इसकी उम्मीद नहीं कि ऐसे मामलों का राजनीतिकरण हुए बगैर कोई जनहित याचिका लेकर उच्चतर न्यायपालिका तक पहुंचेगा। इसकी उम्मीद तो और भी कम है कि न्यायपालिका उनका स्वतः संज्ञान लेगी। कोई मामला उच्चतर न्यायपालिका के पास पहुंचने का यह भी मतलब नहीं कि उसका निपटारा आननफानन हो जाएगा। निर्भया कांड इसका उदाहरण है। निर्भया के हत्यारों को सुप्रीम कोर्ट की ओर से मौत की सजा सुनाए जाने के बाद भी उनकी सजा पर अमल में देरी हुई। 2012 में इस अपराध को अंजाम देने वालों को निचली अदालत ने 2013 में ही मौत की सजा सुना दी थी, लेकिन उच्चतर न्यायपालिका को अपना काम करने में करीब चार साल लग गए। इसके बाद तीन साल की देरी इसलिए हुई, क्योंकि दोषी और उनके वकील अदालत-अदालत खेलते रहे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
15 अक्टूबर, 2020

03

मेट्रो कार शेड के लिए कांजुरमार्ग भूखंड में मिट्टी परीक्षण का काम शुरू: आदित्य ठाकरे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि मेट्रो कार डिपो निर्माण के लिए मुंबई के कांजुरमार्ग भूखंड में मिट्टी परीक्षण का काम शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आरे कालोनी से मेट्रो कार शेड स्थानांतरित करने की घोषणा की थी। आदित्य ठाकरे ने यह भी ट्वीट किया कि कार डिपो परियोजना के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को कांजुरमार्ग भूखंड सौंप दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने ट्वीट किया, बुधवार सुबह, सीएमओ, एमएमआरडीए, एमएमआरसीएल के अधिकारियों ने कार डिपो के लिए एमएमआरडीए को सौंपे गए कांजुरमार्ग भूखंड का दौरा किया। मेट्रो लाइन 3 और 6 कार डिपो यहां बनाए जाएंगे और संशोधित योजना के साथ सम्पर्क बढ़ेगा। मिट्टी परीक्षण पहले ही शुरू हो चुका है। मैंने भी भूखंड देखा। उन्होंने यह भी बताया कि महानगर की सीमा में एक प्रमुख हरित क्षेत्र, आरे कॉलोनी में 808.531 एकड़ जंगल के लिए भारतीय वन अधिनियम की धारा 4 के तहत एक अधिसूचना जारी की गई है। आदित्य ठाकरे ने एक अन्य ट्वीट में कहा, मैं मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जी, उप मुख्यमंत्री

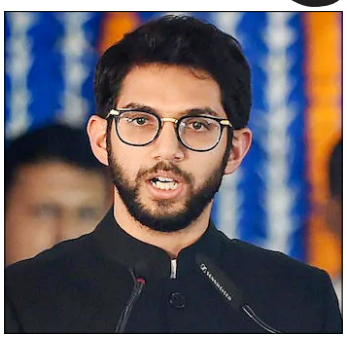

अजीत पवार जी, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट जी, डेयरी मंत्री सुनील केदार जी और वन मंत्री संजय राठौड़ जी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ठाकरे ने रविवार को मेट्रो 3 कार शेड के स्थानांतरण की घोषणा करते हुए कहा था कि परियोजना के लिए कांजुरमार्ग भूमि शून्य दर पर उपलब्ध होगी। ठाकरे ने कहा था कि उनकी सरकार ने पहले आरे के 600 एकड़ को वन घोषित किया था लेकिन इसे अब 800 एकड़ कर दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने ट्वीट किया, मुझे मुंबई के आकार और व्यावसायिक महत्व वाले कोई अन्य शहर की याद नहीं जिसने शहर की सीमा में इतने बड़े भू-भाग को यह दर्जा दिया हो। इस बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कांजुरमार्ग में निर्मित होने वाली मेट्रो कार शेड परियोजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता पर अपनी चिंताओं को दोहराया है। उन्होंने ट्वीट किया, परियोजना के लिए (आरे कॉलोनी में) 76 प्रतिशत सुरंग निर्माण कार्य पहले से ही किया जा चुका है, लेकिन अगले चार से पांच साल में कोई कार डिपो नहीं आना परियोजना के वित्तीय व्यवहार्यता लिए 'एंडगेम' होगा। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि लागत में हुई वृद्धि लोगों की जेब से टिकट के रूप में वसूली जाएगी। प्रस्तावित मेट्रो 3 मार्ग दक्षिण मुंबई के कोलाबा से उपनगरीय बांद्रा होते हुए सीप्ज तक है जबकि लाइन 6 उपनगरीय विक्रोली को लोखंडवाला से जोड़ेगी।

अमृता फडणवीस को शिवसेना महिला अघाड़ी की चेतावनी

हिम्मत है तो सामने बोलकर दिखाएं, कहीं मुंह छिपाने के काबिल नहीं छोड़ेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र में मंदिर मुद्दे को लेकर शिवसेना और महा विकास अघाड़ी सरकार के बीच में जुबानी जंग काफी तेज हो चुकी है। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के सीएम उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र और फिर सीएम द्वारा जवाबी पत्र के बाद सूबे की सियासत में हिंदुत्व का मुद्दा गर्म हो चुका है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर दिन भर चले इस सियासी घमासान में पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस भी कूद चुकी हैं। उनके ट्वीट के बाद शिवसेना की महिला ब्रिगेड ने भी कमान संभाल ली है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने ट्वीट कर कहा है वाह प्रशासन, सरकार ने पूरे राज्य में शराब

की दुकानों को खोला है लेकिन मंदिरों को बंद रखा है। कभी कभी खतरनाक मानसिकता के लोगों के लिए सर्टिफिकेट देना जरूरी होता है। जो मंदिर खोलने के लिए एसओपी बनाने में भी सक्षम नहीं हैं। अमृता फडणवीस के ट्वीट पर शिवसेना की पूर्व महापौर और बीएमसी में मौजूदा हाउस लीडर विशाखा राउत इतनी भड़क गईं कि उन्होंने आपा खो दिया। विशाखा ने सवाल किया कि कौन है वो? पार्टी की प्रवक्ता है, सांसद है, विधायक है या नगरसेवक है? अमृता फडणवीस राजनीति में कब आई? तब आईं जब पांच साल पहले उनके पति मुख्यमंत्री बने। हमारा मुंह खुलवाने के लिए मजबूर न करें और हमें हिंदुत्व सिखाने की जरूरत नहीं है। आदित्य ठाकरे को मिलाकर शिवसेना की राजनीति में यह चौथी पीढ़ी है। जो हिंदुत्व को मानती है। अमृता फडणवीस में हिम्मत है तो यह सब शिवसेना की महिला अघाड़ी के सामने बोलकर दिखाएं। उन्हें कहीं मुंह छिपाने के काबिल नहीं छोड़ेंगे।

'मुंबई में बिजली आपूर्ति ठप होने की घटना किसी के द्वारा जानबूझकर की गई हरकत हो सकती है'

मुंबई। महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने बुधवार को कहा कि दो दिन पहले मुंबई में बिजली आपूर्ति ठप होने की घटना, किसी के द्वारा जानबूझकर की गई हरकत हो सकती है। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि महानगर तथा ठाणे और नवी मुंबई में बिजली आपूर्ति ठप होना कोई छोटा मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, हम 400 केवी कलवा-पड़घा लाइन पर काम कर रहे थे और लोड को सर्किट एक से दो पर स्थानांतरित किया गया था। लेकिन कुछ तकनीकी समस्या के कारण खारगर इकाई बंद हो गई। मुंबई में आइलेंडिंग हुई जो नहीं होना चाहिए था। राउत ने कहा, इसीलिए हमें आशंका है कि किसी ने जानबूझकर यह काम किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए केंद्र सरकार का एक तकनीकी दल यहां है और जांच समिति भी बनाई जाएगी। मंत्री ने कहा कि केंद्र का दल एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। उन्होंने कहा कि 2011 हुई इस प्रकार की घटना की जांच करने वाली समिति की रिपोर्ट का भी अध्ययन किया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र में 15 अक्टूबर से लॉकडाउन में तमाम रियायतों का ऐलान

मंदिरों को खोलने को लेकर पूर्व में राजभवन और प्रदेश सरकार के बीच मतभेद देखने को मिल चुके हैं। मंगलवार को बीजेपी ने जहां राज्य के अलग अलग हिस्सों में मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों को खोलने के लिए सरकार के विरोध में आंदोलन किया तो वहीं राज्यपाल की सीएम उद्धव ठाकरे को चिट्ठी ने महाराष्ट्र में सियासी जंग का ऐलान कर दिया कर है। बुधवार को 'मिशन बिगिन अगेन' के तहत प्रदेश के स्कूलों में 15 अक्टूबर से 50 फीसदी शिक्षकों की उपस्थिति की अनुमति दी गई है। हालांकि 31 अक्टूबर तक सभी स्कूलों को बंद करने का फैसला किया गया है। इसी फैसले के अंतर्गत 15 अक्टूबर से मेट्रो के संचालन समेत अन्य फैसले हुए हैं। हालांकि इस फैसले में मंदिरों को खोलने का फैसला नहीं किया गया है। सरकार की ओर से इस बाबत ऐलान किए जाने के बाद अब मुंबई मेट्रो समेत अन्य सर्विसेज को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि महाराष्ट्र में भी दिल्ली की तर्ज पर ही मेट्रो रेल के संचालन के तमाम नियमों का पालन किया जाएगा। इस संबंध में एक एसओपी जल्द ही जारी हो जाएगी। मेट्रो संचालन की एसओपी को महाराष्ट्र का शहरी विकास विभाग जारी करेगा। मेट्रो रेल के संचालन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग, सैनिटाइजेशन समेत नियमों का पूरा ध्यान रखना होगा। इसके अलावा मेट्रो का संचालन किस फ्रीक्वेंसी में होगा, इसे लेकर भी जल्द विस्तृत सूचना दे दी जाएगी। महाराष्ट्र से पहले उत्तर प्रदेश और दिल्ली में मेट्रो रेल सेवाओं की शुरूआत हो चुकी है। महाराष्ट्र में 15 अक्टूबर से ही पब्लिक लाइब्रेरी को भी खोला जाएगा। सभी पब्लिक लाइब्रेरी में लोगों के लिए मास्क पहनने की अनिवार्यता रखी गई है। इसे लेकर भी एक आदेश गुरुवार को जारी किया जाएगा। नियमों के अनुसार, पब्लिक लाइब्रेरी में सोशल डिस्टेंसिंग और सैनिटाइजेशन का पूरा इंतजाम कराना अनिवार्य होगा।

ओडिशा-तेलंगाना में भारी बारिश

लोगों की मदद के लिए पुलिस-प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं, ओडिशा में भी भारी बारिश हुई है। यहां के गजपति में 12 गांवों के 500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। कई निचले इलाकों में पानी भरने के बाद तेलंगाना सरकार ने बुधवार को दो दिन की छुट्टी का ऐलान किया है। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, सभी निजी संस्थान, ऑफिस, गैर जरूरी सेवाएं बुधवार और गुरुवार को बंद रहेंगी। लोगों को वर्क फ्रॉम होम करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव पैदा होने की वजह तेलंगाना और ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) ने बताया, एलबी नगर में 25 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। बारिश कुछ घंटे और जारी रह सकती है। लोगों से गुजारिश है कि घरों के भीतर ही रहें, सुरक्षित रहें।

यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव कोरोना पॉजिटिव

खबर के मुताबिक उनकी पत्नी साधना गुप्ता भी संक्रमित पाई गई हैं। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। मुलायम सिंह यादव को अभी गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, हम सीनियर डॉक्टर्स के संपर्क में हैं। फिलहाल नेताजी का स्वास्थ्य स्थिर है। कोरोना को हल्के में लेना युवाओं और कम उम्र के लोगों के लिए मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से कम उम्र के मरीजों की भी मौत तेजी से बढ़ने लगी है।

हाथरस कांड : पीड़िता के भाई से पूछताछ

घटनास्थल पर पहुंची सीबीआई की टीम, अंत्येष्टि स्थल का भी किया निरीक्षण

हाथरस (संवाददाता)। जिले की चंदपा कोतवाली इलाके में विटिया प्रकरण में मंगलवार को सीबीआई की टीम हथरस पहुंची। सबसे पहले यह टीम उस स्थान पर पहुंची जहां युवती के साथ गैंगरेप होने की बात कही जा रही है। यहां तीन घंटे जांच करने के बाद टीम ने युवती के अंतिम संस्कार वाले स्थान का निरीक्षण किया। टीम ने यहां से राख के नमूने लिए हैं। बाद में टीम पीड़ित परिवार के घर पहुंची, जांच पड़ताल करने के बाद मृतका के बड़े भाई को अपने साथ ले गई।

हाथरस : घटनास्थल पर छानबीन करती सीबीआई टीम।

चंदपा थाने के एक गांव में 14 सितम्बर को एक दलित युवती के साथ गैंगरेप तथा उसे जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया था। इसके बाद इलाज के दौरान युवती की 29 सितम्बर को मौत हो गई थी, तभी से आरोप प्रत्यारोपों के बीच यह मामला सुर्खियों में है। बारदात के सभी चार आरोपी जेल में हैं और मामले की सीबीआई जांच के लिए टीम हाथरस आई है।

मंगलवार को सीबीआई की टीम सबसे पहले कोतवाली चंदपा पहुंची। उसके बाद करीब तीन घंटे तक उस स्थान पर जांच की जहां युवती के साथ घटना हुई थी। यहां पहले टीम ने मृतका के भाई से बात की उसके बाद मां को भी वहां बुलाया गया। क्योंकि मां की तबीयत बिगड़ गई थी, लिहाजा उसे पहले अस्पताल ले जाया गया था बाद में उसे मौके पर एंबुलेंस से लाया गया था। इसके बाद टीम ने उस स्थान को देखा जहां युवती का अंतिम संस्कार हुआ था। यहां से टीम ने अंतिम संस्कार की राख के नमूने लिए हैं। यह टीम बाद में पीड़ित परिवार के घर पहुंची। जहां कुछ देर बातचीत करने के बाद मृतका के बड़े भाई को अपने साथ ले गई।

जब तक न्याय नहीं अस्थि विसर्जन नहीं

हाथरस (वार्ता)। पीड़ित परिवार ने मंगलवार को यहां कहा है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा वे अपनी बेटी की अस्थियों का विसर्जन नहीं करेंगे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के समक्ष अपना सोमवार को बयान दर्ज कराने के बाद पीड़ित परिवार देर रात वापस हाथरस अपने गांव पहुंचा। पीड़ित परिवार ने कहा है कि जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता तब तक वे अस्थि विसर्जन नहीं करेंगे।

■ पीड़िता के भाई ने बताया कि न्यायालय में हमारी बहन के दाह संस्कार से संबंधित प्रश्न पूछे गए थे

पीड़िता के पिता ने पत्रकारों से कहा 'हमने न्यायालय के आदेश पर अपना बयान दर्ज कराया है। हालांकि, अंग्रेजी में बातचीत चल रही थी और हम ज्यादा समझ नहीं सकते थे, लेकिन हम यह बता सकते थे कि न्यायालय हाथरस जिला प्रशासन से खुश नहीं था। हम अब न्याय चाहते हैं, जब तक हमें न्याय नहीं मिलेगा बेटी की अस्थियों को विसर्जित नहीं करेंगे।' पीड़िता का भाई, दिल्ली से लौटने पर न्यायालय में अपना बयान दर्ज कराने के लिए लखनऊ गया था, ने कहा, 'न्यायालय में हमारी बहिन के दाह संस्कार से संबंधित प्रश्न पूछे थे। न्यायालय ने यह भी पूछा कि क्या हमारी इच्छा के अनुसार दाह संस्कार किया गया था। यह सुनवाई लगभग एक घंटे तक चली और अधिकांश बातचीत अंग्रेजी में हुई, लेकिन न्यायालय निश्चित रूप से जिलाधिकारी से खुश नहीं थी।'

लंबित मामलों में खास तरह की मीडिया रिपोर्टिंग वर्जित

नई दिल्ली (भाषा)। अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने लंबित मामलों में खास तरह की रिपोर्टिंग का जिक्र करते हुए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि यह पूरी तरह से वर्जित है और इससे न्यायालय की अवमानना हो सकती है।

अटॉर्नी जनरल ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ 2009 के अवमानना मामले में न्यायमूर्ति एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह टिप्पणी की। वेणुगोपाल इस मामले में न्यायालय की मदद कर रहे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस मामले में संक्षिप्त सुनवाई के दौरान वेणुगोपाल ने अदालतों में लंबित मामलों पर 'इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया' की टिप्पणियों का उल्लेख किया और कहा कि ऐसा करना पूरी तरह से वर्जित है।

■ अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

न्यायालय ने अवमानना के इस मामले में विचार योग्य कतिपय मुद्दों को फिर से तैयार करने के लिए वेणुगोपाल को समय दिया था। इस मामले में न्यायालय ने नवम्बर 2009 में भूषण और तहलका पत्रिका के संपादक तरुण तेजपाल को नोटिस जारी किए थे। इस पत्रिका को दिए एक इंटरव्यू में भूषण ने उच्चतम न्यायालय के कुछ पीठासीन और पूर्व न्यायाधीशों पर कथित रूप से आक्षेप लगाए थे। वेणुगोपाल ने कहा, आज इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया लंबित मामलों पर टिप्पणियां कर रहे हैं और न्यायालय को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज किसी बड़े मामले में जब जमानत की अर्जी सुनवाई के लिए आने वाली होती है तो टीवी पर दिखाई जाने वाली खबरें उन आरोपियों के लिए भी बहुत नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं, जिन्होंने जमानत की अर्जी दायर कर रखी होती है।

अटॉर्नी जनरल ने राफेल मामले में मीडिया की रिपोर्टिंग का जिक्र करते हुए कहा कि लंबित मामलों में इस तरह की टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। वेणुगोपाल ने कहा, ये पूरी तरह वर्जित है और न्यायालय की अवमानना हो सकती है।

जिंदगी की जंग लड़ रहे रानी मुखर्जी के को-एक्टर

'मेहंदी' जैसी फिल्मों के एक्टर फराज खान गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती, परिवार ने लगाई आर्थिक मदद की गुहार

संवाददाता

बेंगलुरु। 'मेहंदी' और 'फरेब' जैसी फिल्मों के अभिनेता फराज खान बेंगलुरु के विक्रम हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में भर्ती हैं। उनके फैमिली मेंबर्स ने एक्टर के ट्रीटमेंट के लिए आर्थिक सहायता मांगी है। एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने ट्विटर पर यह जानकारी शेयर करते हुए लिखा है, प्लीज शेयर करें और संभव हो तो योगदान करें। फराज के फैमिली मेंबर्स फहाद अबाउशर और अहमद शमून ने एक फंड-राइजर वेबसाइट के जरिए लोगों से आर्थिक मदद की अपील की है। उन्होंने लिखा- मेरा प्रिय भाई, दोस्त और प्यारा कलाकार आज जिंदगी की कगार पर है। उन्होंने अपने कई साल कला जगत को दिए हैं और कैमरे के सामने अपना बेस्ट दिया है। लेकिन आज जीवित रहने के लिए उन्हें मदद की जरूरत है। कृपया फराज को उनकी इलाज की जरूरत के लिए पर्याप्त धन जुटाने में मदद करें।

पोस्ट में आगे लिखा गया है- फराज करीब एक साल से खांसी और चेस्ट में इन्फेक्शन से पीड़ित थे। हाल ही में जब उनकी खांसी अचानक बढ़ गई तो उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए डॉक्टर्स से परामर्श लिया। परामर्श के दौरान 8 अक्टूबर को जब डॉक्टर्स ने उनकी हालत देखी तो उन्हें तुरंत ही अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। इसके बाद हमने एम्बुलेंस बुलवाई। हालांकि, इसके बाद में जो हुआ, उसने हमें हिलाकर रख दिया। जब एम्बुलेंस रास्ते में थी, तब फराज को दौरा पड़ा। वे अचानक से अनकंट्रोल होकर हिलने लगे। जैसे ही एम्बुलेंस आई और उन्हें स्ट्रेचर पर रखा गया, तब उन्हें एक और दौरा पड़ा। इसके बाद विक्रम हॉस्पिटल जाते वक्त रास्ते में तीसरा दौरा आया। अस्पताल पहुंचने के बाद हमें पता चला कि दिमाग में दाद के संक्रमण के कारण उन्हें दौरे पड़े थे, जो कि उनकी छाती से फैल गया था।

इलाज में आएगा 25 लाख रुपए का खर्च: पोस्ट के मुताबिक, डॉक्टर्स ने 7-10 दिन तक फराज को क्रिटिकल यूनिट में रखने के लिए कहा है, जिसका खर्च करीब 25 लाख रुपए होगा। चूंकि फराज ने काफी सालों से फिल्मों में काम नहीं किया है। इसलिए 25 लाख रुपए उनके लिए बहुत बड़ी रकम है। फैमिली मेंबर्स ने लिखा है- डॉक्टर्स ने कहा है कि फराज ठीक होकर अपनी नॉर्मल लाइफ जी सकते हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब उन्हें आईसीयू में जरूरी ट्रीटमेंट देने के बाद मेडिकल केयर दी जाए।

कैरेक्टर आर्टिस्ट युसूफ खान के बेटे हैं फराज: फराज खान गुजरे जमाने के कैरेक्टर आर्टिस्ट यूसुफ खान ('अमर अकबर एंथोनी' फेम जेबिसको) के बेटे हैं। उन्होंने रानी मुखर्जी स्टारर 'मेहंदी' (1998) में लीड रोल किया था। इसके अलावा, उन्होंने 'फरेब' (1996), 'पृथ्वी' (1997) और 'दिल ने फिर याद किया' (2001) जैसी फिल्मों में काम किया है।

सुशांत केस में मनी लॉन्डरिंग का मामला

ईडी ने डायरेक्टर दिनेश विजान के घर और दफ्तर में छापा मारा, फिल्म 'राब्ता' का पेमेंट सवालों के घेरे में है

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में मनी लॉन्डरिंग की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डायरेक्टर-प्रोड्यूसर दिनेश विजान के घर और ऑफिस में छापेमारी की। विजान ने सुशांत सिंह राजपूत को लेकर फिल्म 'राब्ता' बनाई थी, जो 2017 में रिलीज हुई थी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए विजान द्वारा सुशांत को किया गया पेमेंट सवालों के घेरे में है और ईडी इसकी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिनेश विजान से ईडी पहले दो बार पूछताछ कर चुकी है। जांच एजेंसी ने फिल्ममेकर से सुशांत को साइनिंग अमाउंट के रूप में किए गए पेमेंट

संबंधी डॉक्युमेंट्स और दूसरी डिटेल शेयर करने के लिए कहा था। जुलाई में सुशांत सिंह राजपूत के केके सिंह ने पटना के राजीव नगर थाने में रिया चक्रवर्ती और उनके फैमिली मेंबर्स समेत 6 लोगों के खिलाफ बेटे को खुदकुशी के लिए उकसाने की एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने अभिनेता के बैंक खातों से 15 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की बात कही थी। 31 जुलाई को ईडी ने रिया, उनके पिता इंद्रजीत, मां संध्या, भाई शोविक, सुशांत की मैनेजर रहीं श्रुति मोदी और हाउस मैनेजर रहे सैमुअल मिरांडा के खिलाफ मनी लॉन्डरिंग का केस दर्ज किया था।

मुंबई में कोरोना वायरस के 2,211 नए मामले , 48 मरीजों की मौत

मुंबई। मुंबई में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 2,211 नए मामले सामने आने के बाद कुल आंकड़ा 2,34,606 पहुंच गया। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने यह जानकारी दी। बीएमसी के मुताबिक संक्रमण के कारण 48 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 9,552 हो गई। बीएमसी द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 3,370 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद स्वस्थ हो चुके लोगों की संख्या 2,01,497 हो गई है। मुंबई में फिलहाल 20,790 मरीजों का इलाज चल रहा है और यहां स्वस्थ होने की दर 85 प्रतिशत हो गई है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समस्तीपुर हलचल

पुलिस ने तीन अपराधी को किया गिरफ्तार

सदर डी एस पी प्रीतीश कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

संवाददाता

समस्तीपुर। मुसरीघरारी थाना क्षेत्र में विगत सितम्बर और अक्टूबर माह में एनएच 28 के आसपास मुसरीघरारी, ताजपुर थाना क्षेत्र में लूट की तीन घटनाएं हुई थी। घटनाओं के उदभेदन हेतु थाना अध्यक्ष मुसरीघरारी पु0अ0नि0 विशाल कुमार सिंह एवं थाना अध्यक्ष सरायरंजन पु0अ0नि0 संजीव कुमार चौधरी के नेतृत्व में आसूचना संकलन की जा रही थी।

इसी क्रम में दिनांक 14 अक्टूबर 2020 को हुंडईया पेट्रोल पम्प के पास से तीन अपराधियों की गिरफ्तारी की गई। उनलोगों से पुछताछ की गई तो गिरफ्तार अपराधियों ने बताया गया कि ये लोग मुख्य रूप से सीएसपी संचालक एवं स्मॉल फाईनेंस कम्पनी के कर्मियों को रास्ते मे रोककर हथियार का खौफ दिखाकर लूटपाट की घटना को अंजाम देते हैं। प्राथमिक पुछताछ ज्ञात हुआ है कि गिरफ्तार दो

अपराधी पूर्व में भी मुफ़्फ़सील थाना के कांडों में अभियुक्त है। गिरफ्तार अपराधियों ने मुसरीघरारी बस स्टैंड से आगे धर्मकांटा के पास सीएसपी संचालक से 68 हजार रुपया की छिनतई की थी। इस सिलसिले के मुसरीघरारी थाना कांड संख्या 114/2020 का सफल उदभेदन। ताजपुर थाना के तहत माह सितम्बर 2020 में आनंदपुर गाछी के पास से सीएसपी संचालक कर्मी से 45 हजार रुपया का लूट कांड का सफल उदभेदन तथा अक्टूबर माह 2020 में महेशपुर पुलिया के पास से फाइनेंस कम्पनी के कर्मी से 63 हजार रुपया लूट का सफल उदभेदन हुआ। गिरफ्तार अपराधियो में नरेश पासवान पिता स्व0 राम स्वारथ पासवान साकिन रामपुर केशोपट्टी, राजा पासवान पिता जय कांत पासवान साकिन शितलपट्टी तथा राजा कुमार पासवान पिता रंजीत पासवान साकिन रामपुर केशोपट्टी तीनो मुफ़्फ़सील थाना जिला समस्तीपुर निवासी हैं। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी पिस्तौल एक जिंदा कारतुश,एक मोटर साईकिल,65 हजार रुपया नगद तथा तीन मोबाईल बरामद किया गया है। इसकी पुष्टि सदर डीएसपी प्रीतिश कुमार ने अपने कक्ष में की।

कई विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय अनुमंडल में अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों से नामांकन के छठे दिन 8 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। जिसमें उजियारपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद से आलोक कुमार मेहता, रालोसपा से प्रशांत कुमार पंकज,राष्ट्रीय जन जन पार्टी से बैधनाथ चौधरी, जन लोक जन तांत्रिक पार्टी से मो0 कलाम। विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र से सीपीएम से अजय कुमार,भारतीय महासंघ पार्टी से अरुण कुमार राय, निर्दलीय से नवीन कुमार। इसी तरह मोहीउद्दीननगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा से राजेश कुमार सिंह ने नामांकन किया। नामांकन के पश्चात समर्थकों ने अपने अपने उम्मीदवारों को फूल मालाओं से लाद दिया।

रामपुर हलचल

अपर जिलाधिकारी के टाण्डा आगमन पर नगरीय जनता ने नगर के मुख्य मार्ग की समस्या को देखते हुए अपनी मांग रखी

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। अपर जिलाधिकारी के टाण्डा आगमन पर नगरीय जनता ने नगर के मुख्य मार्ग की समस्या को देखते हुए अपनी मांग रखते हुए कहा कि नगर का मुख्य मार्ग जो अधिक याता यात के आवागमन के चलते तंग होकर रह गया है, जो दिल्ली एवं उत्तरा खंड को जोड़ता है जिससे नगर के मुख्य मार्ग पर अनेकों तरह से ऐक्सीडेंट

की घटनाओं का होना आम बात बनकर रह गई है आये दिन दुर्घटनाओं के साथ साथ मौतों के होने का क्रम भी लगातार जारी हैं, नगर वासियों ने अपर जिलाधिकारी को एक पत्र प्रस्तुत कर मार्ग को फोरलेन बनवाये जाने की मांग की गई है ज्ञापन देने वालों में मु० फुरकान, मु० साकिब, ताहिर अली, मु० रफी, अलीम, मु० यूनुस, सलीम अहमद, आदि मौजूद रहे।

नवीन मण्डी स्थल समिति पहुंचकर अपर जिलाधिकारी जगदम्बे प्रसाद गुप्ता ने किया धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। नवीन मण्डी स्थल समिति पहुंचकर अपर जिलाधिकारी जगदम्बे प्रसाद गुप्ता ने किया धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण,मण्डी समिति से सम्बंधित उसके रखरखाव, तथा धान क्रय केंद्र की व्यवस्था व अभिलेख रजिस्ट्रों आदि को देखकर जताई खुशी, बाद में नगर पालिका परिषद पहुंचकर जन्म एवं मृत्यु, जलकर, दाखिल खारिज व हाजरी रजिस्टर आदि का अवलोकन कर जताई अपनी प्रसन्नता,अपर जिलाधिकारी जगदम्बे प्रसाद गुप्ता जी ने धान क्रय केन्द्र की समस्याओं को देखते हुए नवीन मण्डी स्थल समिति पहुंचकर मण्डी से सम्बंधित सभी रजिस्टरों आदि का मौका मुआयना किया गया, नगर व क्षेत्र में धान की खरीद किये जाने का सिल्सिला लगातार जारी हैं किसानों की व्यवस्थाओं को लेकर माकूल इंतजाम किये गये है उसके उपरान्त भी किसान अपना धान क्रय केंद्रों पर न लाकर आढ़तियों के चक्कर में पड़ कर रह जाते हैं खासतौर से सरकार द्वारा समर्थन मूल्य तय कर दिये गये है, किसानों की सबसे बड़ी समस्या आनलाइन पंजीकरण का न होना,नकद भुगतान जैसी समस्याऐ अक्सर किसानों के सामने उत्पन्न होती रहती हैं उन समस्याओं को देखते हुए किसान अपना धान आढ़तियों एवं बिचौलियों को बेच देते हैं किसी भी प्रकार की समस्याओं से दूर रखा जायेगा,उधर नगर पालिका परिषद टाण्डा में पहुंचकर जन्म एवं मृत्यु, जलकल, दाखिल खारिज, हाउस टेक्स से सम्बंधित निरीक्षण किया गया नगर पालिका अभिलेख रजिस्टरों आदि का निरीक्षण कर सभी कर्मचारियों की उनके कार्यो को देखते हुए सराहना की गई इस मौके पर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां पति मकसूद लाला जी, नोडल अधिकारी धनीराम सैनी, राजकुमार शुकला, डालचन्द, रीना, अ०रऊफ, शिवम, सुदेश, राकेश,नरेश, फारूक अक्खू,फैजान फैज,ध्यान सिंह, संजीव कुमार, ऐहतराम, राजेश आदि मौजूद रहे।

बुलढाणा हलचल

अपने अधिकारों की मांग के लिए दिव्यांग के रास्ते पर उतरेगें, दिव्यांग का जिला कलेक्टर को निवेदन

संवाददाता

बुलढाणा। कोरोना अवधि के दौरान, कोरोना के डर के कारण, दिव्यांग कई दिनों तक खाली पेट घर पर रहे, लेकिन अपने अधिकारों की मांग करने के लिए घर से बाहर नहीं निकले। दिव्यांग प्रकोष्ठ ने 12 अक्टूबर को जिला कलेक्टर रामकृष्ण मूर्ति को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। निवेदन में, प्रत्येक विभाग में 5% विकलांगों को समायोजित करने के लिए। विकलांगों के खाते में 5 प्रतिशत धनराशि जमा की जानी चाहिए, प्रत्येक विकलांग व्यक्ति को गरीबी रेखा में शामिल किया जाना चाहिए, प्रत्येक विकलांग जोड़े को एक अलग राशन कार्ड दिया जाना चाहिए, विकलांगों को अंत्योदय खाद्य आपूर्ति योजना में शामिल किया जाना चाहिए, विकलांगों को प्रत्येक महीने के 5 दिनों के लिए मानदेय प्रदान किया जाना चाहिए। 5 एकड़ भूमि विकलांगों को निर्वाह के लिए दी जानी चाहिए, विकलांगों को पिछले चार महीने से मानदेय नहीं मिला है, इसे खाते में देर से जमा किया जाना चाहिए.निर्वाह के लिए विकलांगों को रोजगार प्रदान करें। जरूरतमंदों को अनाज वितरित किया जाना चाहिए, आवास, व्यवसाय और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए विकलांगों को भूमि उपलब्ध कराई जानी चाहिए, प्रत्येक वित्तीय बोर्ड के तहत विकलांगों को पूरक ऋण प्रदान किए जाने चाहिए। इन मांगों का एक बयान कलक्टर को दिया गया।इस बीच, मांगों को हल किया जाना चाहिए, अन्यथा जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने, प्रत्येक तहसील के सामने और ग्राम पंचायत के सामने दिव्यांग सेल के तहत आंदोलन किया जाएगां। नामदेवराव डोंगरदीवे, शीराज पठाण, स.सोयब, सौ. मिनाताई डोंगरदिवे, कीशोर जाधव, विनोद नीबोकार, स.दानीस, गजानन मुंगळे, पी.पी.पवार, भीमराव तायडे, संतोष चिकटे, संतोष रायपुरे, रामदास राऊत, मधुकर जोहरी, आजहर खाण, जाफर पटेल, प्रकाश मांजरे,

सुलोचना ठाकरे, सुरेखा चव्हाण, संजय सोनुने, प्रकाश लहाने, मंगलाताई रोकडे , मोहन सरकटे, समशेर खाण, अवचार, संजय जाधव, आशोक पैठणे, संजय सोनुने, संतोष धोटे और अन्य। विकलांगों ने उपस्थिती दर्ज कराई।

वरिष्ठ पत्रकार सोमनाथ सावळे का निधन

संवाददाता

बुलढाणा। वरिष्ठ पत्रकार सोमनाथ अचुतराव सावले को आज दिल का दौरा पड़ने से 14 अक्टूबर की सुबह उनका दुखद निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी आयु 57 वर्ष थी। पत्रकारिता के क्षेत्र में, 1985 के बाद से, महासागर, नागपुर पत्रिका, जनमध्यम, लोकसत्ता, हितवाड़, महाराष्ट्र टाइम्स, मातृभूमि और अन्य राजनीतिक दैनिक समाचार पत्रों की खोजी पत्रकारिता, विभिन्न मुद्दों, विकास योजनाओं, राजनीतिक समाचार, साहित्य अन्य दैनिकों ने खोजी पत्रकारिता, विभिन्न मुद्दों, विकास योजनाओं, राजनीतिक समाचार, साहित्य के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई थी।राजनीतिक क्षेत्र के साथ निकट संपर्क था। साप्ताहिक शिवराणा के साथ-साथ संघ राष्ट्र पिछले छह महीनों में शुरू हुआ। अरविंद बाबू द्वारा उन्हें बालश्री जम्भेकर दर्पन देशमुख पत्रकारिता पुरस्कार के अलावा, वे कुछ वर्षों तक बुलंदाना जिला प्रेस परिषद, विदर्भ साहित्य संघ और अंकुर साहित्य संघ के पदाधिकारी भी रहे। जगदंबा मध्यम विद्यालय विद्यालय के संस्थापक सदस्य थे। विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में मुलगांव डोंगरशेवली में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके परिवार मे पत्नी सुरेखा, बेटी मृणाल और श्रुति, मां ईस तरह बहुत बड़ा परिवार है। उनके निधन से पत्रकारिता के क्षेत्र में भारी नुकसान हुवा है।

राजस्थान हलचल

बिजली के तार से निकली चिंगारी से पशु जिंदा जले

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

बीकानेर। जिले के नाल पुलिस थाना क्षेत्र के भोलासर गांव में बुधवार को आग लगने से एक भैंस व उसकी बछिया जिंदा जल गए जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आग गांव के मूलाराम कुम्हार के घर में पशुओं के लिए बने छपरें में लगी। छपरे के ऊपर से होकर बिजली के तार गुजरते है जिसमें अचानक स्पार्क होने के कारण एक तार टूटकर छपरे पर गिर गया। जिससे छपरे में आग लग गई। जिस वक्त आग लगी उस समय छपरे में एक भैंस व उसकी बछिया बंधी हुई थी। दोनों आग की चपेट में आ गई जिससे दोनों की मृत्यु हो गई। आग की सूचना पर नाल पुलिस मौके पर पहुंची और मौका-मुआयना किया। वहीं ग्रामीणों के अनुसार यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही के चलते हुए है क्योंकि खंभों से गुजर रहे बिजली के तार सालों पुराने होने के कारण झूल गए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल को स्वस्थ रखने के लिए लाइफस्टाइल में लाए सुधार

बड़ों से लेकर कम उम्र के लोगों तक हृदय रोग तेजी से फैलता जा रहा है। इस विषय पर चिंता जाहिर करते हुए डॉक्टरो एवं विशेषज्ञों ने लोगों को इसके लक्षणों को नजरअंदाज न करने और अपनी जीवनशैली में सुधार लाने की सलाह दी है। भारत में मृत्यु का एक मुख्य कारण हृदय से जुड़ी बीमारियां हैं। इसकी वजह दिल संबंधी बीमारियों के इलाज की सुविधा न मिलना या पहुंच न होना और जागरूकता की कमी है। आज वर्ल्ड हार्ट डे के मौके पर विशेषज्ञों ने कहा कि अब तक हार्ट फेल्यर की समस्या पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता था। इसलिए लोग इसके लक्षणों को पहचान नहीं पाते थे। इस समस्या के तेजी से प्रसार का एक कारण यह भी है। वहीं, डॉ शिरीष ने कहा कि हार्ट फेल्यर को समझना जरूरी है, अक्सर लोगों को लगता है कि हार्ट फेल्यर का मतलब है कि दिल का काम करना बंद कर देना जबकि ऐसा नहीं है। हार्ट फेल्यर में दिल की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं जिससे वह रक्त को प्रभावी तरीके से पंप नहीं कर पाता। इससे ऑक्सीजन व जरूरी पोषक तत्वों की गति सीमित हो जाती है।

इसके अलावा हार्ट अटैक, हाई ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की बीमारी, मधुमेह, मोटापा, शराब का सेवन, दवाइयों का सेवन और फैमिली हिस्ट्री के कारण भी हार्ट फेल होने का खतरा रहता है। सांस लेने में तकलीफ, थकान, टखनों, पैरों और पेट में सूजन, भूख न लगना, अचानक वजन बढ़ना, दिल की धड़कन तेज होना, चक्कर आना और बार-बार पेशाब जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं। अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो डॉक्टरी सलाह लें।

वैसे तो इस बीमारी होने की औसत उम्र 59 साल है। बीमारी की जानकारी न होना, ज्यादा पैसे खर्च होना और बुनियादी ढ़ांचे की कमी के कारण हार्ट फेल्यर के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। इस बीमारी से बचने के लिए अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करें। हैल्दी डाइट लें और एक्सरसाइज करें।

पेट फूलने पर दिखाई दें ये लक्षण तो हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

गलत खान-पान की वजह से पेट संबंधी कई तरह की प्रॉब्लम्स लगी रहती हैं। इन्हीं में से एक है पेट फूलना। एसिडिटी होने पर या अधिक खा लेने की वजह से पेट में अफारा हो जाता है और पेट फूल जाता है। अक्सर दवा खाने के बाद पेट फूलने की समस्या ठीक हो जाती है लेकिन अगर हमेशा पेट में यह समस्या बनी रहे तो इससे कई गंभीर बीमारियों के संकेत भी मिलते हैं। आइए जानिए पेट फूलने पर और कौन-सी समस्याएं हो सकती हैं।

1. पेट का ट्यूमर

पेट फूलने की समस्या आम है लेकिन जब इसके साथ-साथ अचानक वजन भी कम होने लगे तो यब पेट में ट्यूमर के संकेत हो सकते हैं।

2. यूट्रस कैंसर

पेट फूलने पर मल के साथ ब्लड आने लगता है और कब्ज की समस्या भी हो जाती है जो कि यूट्रस कैंसर के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपको भी ये संकेत दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

3. लीवर में इंफैक्शन

पीलिया रोग होने पर आंखों और त्वचा का रंग पीला पड़ जाता है जोकि सामान्य बात है लेकिन अगर इसके साथ पेट भी फूलने लगे तो यह लीवर में इंफैक्शन के संकेत है।

4. हर्निया

पेट फूलने के साथ-साथ अगर खांसी, जुकाम और वजन कम होने लगे तो यह हर्निया रोग के संकेत हैं।

5. पेट का कैंसर

जिन लोगों की पाचन क्रिया खराब रहती हो और पेट के ऊपरी भाग में हमेशा भारीपन महसूस हो तो यह पेट के कैंसर के संकेत हैं।

नॉन वेज से ज्यादा हैल्दी हैं ये फूड्स, करें डाइट में शामिल

हैल्दी डाइट में पौष्टिकता के सारे गुण मौजूद होते हैं। आयरन, फाइबर, कैल्शियम और न्यूट्रिशियंस से भरपूर भोजन को ही बैस्ट माना जाता है। यह सारे गुण नॉन वेज में भरपूर मात्रा में शामिल हैं लेकिन बहुत से ऐसे शाकाहारी खाद्य पदार्थ भी हैं जो नॉन वेज भी ज्यादा हैल्दी हैं। आइए जाने इन फूड्स के बारे में।

क्यों जरूरी है आयरन, फाइबर और कैल्शियम

बॉडी को हैल्दी रखने के लिए आयरन बहुत जरूरी है। इसकी कमी होने पर एनीमिया रोग हो जाता है। जिससे कमजोरी थकान के अलावा और भी परेशानियां आनी शुरू हो जाती है। इस तरह कैल्शियम भी हड्डियों और दांतों को मजबूती प्रदान करता है। फाइबर पेट के लिए बहुत जरूरी है। इससे पाचन क्रिया अच्छी रहती है और कब्ज से भी राहत मिलती है। इन सब चीजों से भरपूर अपनी डाइट में शामिल करने से फायदा मिलता है।

अलसी

इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन इ कॉम्प्लेक्स, मैंगनीज, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस और सेलेनियम और फाइटोएस्ट्रोजन भी पाए जाते हैं। जो सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। खाने में रोजाना असली का सेवन जरूर करें।

ओट्स

औट्स को दलिया की तरह भी खाया जाता है। कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्निशियम और विटामिन-बी से भरपूर ओट्स आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद हैं।

राजमा

इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, काबोर्हाइड्रेट, फैट, मैग्निशियम, आयरन, फास्फोर्स जैसे जरूरी तत्व होते हैं। जो नॉन वेज के भी ज्यादा लाभकारी हैं।

आहार में शामिल करें ये फूड्स

खाने में खसखस, कद्दू के बीज, बादाम, सोयाबीन, काबुली चने, काजू आदि जैसे पदार्थों को भी जरूर शामिल करें। इससे बॉडी को भरपूर एनर्जी मिलेगी।

रोजाना रात को करें पैरों के तलवों की मसाज, मिलेंगे फायदे

सेहत को स्वस्थ रखने के लिए लोग अच्छा लाइफस्टाइल अपनाते हैं। सैर, एक्सरसाइज, पौष्टिक आहार के अलावा और भी बहुत सी चीजों पर ध्यान देते हैं लेकिन अपने पैरों पर ध्यान नहीं देते। पैरों में कई तरह के प्वांइट होते हैं जो शरीर के बाकी अंगों से संबंधित होते हैं। इनकी मालिश करने से सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियां दूर होती हैं।

1. तनाव दूर

सारा दिन लगातार काम करने के लिए बाद थकावट महसूस होती है। कई बार तो इस वजह से नींद भी नहीं आती। इससे राहत पाने का सबसे अच्छा उपाय है पैरो की मसाज। सोने से पहले हल्के हाथों से पैरों के तलवों की मसाज करें। इससे तनाव दूर होगा और नींद भी अच्छी आएगी।

2. वजन करें कम

शरीर में मोटापे की वजह जमा हो रही चर्बी है। यह कई बीमारियों का भी कारण बनती हैं। हर रोज सोने से पहले 5 मिनट पैरों के तलवों का मालिश करने से शरीर में जमा चर्बी पिघलने लगती है। जिससे वजन कम होना शुरू हो जाता है।

3. ब्लड सकुर्लेशन बेहतर

तंदुरूस्त रहने के लिए मेटालिज्म का हाई होना बहुत जरूरी है। तलवों का मालिश करने से मेटाबॉलिज्म हाई होना शुरू हो जाता है। इससे पाचन क्रिया से जुडी परेशानियां भी दूर होनी शुरू हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मामूली खांसी होने पर मैं डर गई थी: मनीषा

कोरोना वायरस का संक्रमण देशभर में 71 लाख 75 हजार के आंकड़े को पार कर चुका है। इसी के साथ ही कोरोना वायरस की चपेट में कई बड़ी हस्तियां भी आ गई हैं। जिसके बाद बदलते मौसम के बीच छोटी- मोटी सर्दी की शिकायत भी लोगों में कोरोना संक्रमण का डर पैदा कर दे रही हैं। ऐसा ही हुआ कुछ बॉलीवुड में कई फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला के साथ। अभिनेत्री मनीषा ने अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए एक जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया है कि बीते दिनों उन्हें खासी की शिकायत हुई थी। जिसके बाद कोरोना संक्रमण के डर के कारण उन्होंने अपना कोरोना टेस्ट कराया। उन्होंने बताया कि कोरोना टेस्ट में वह निगेटिव पाई गई हैं। मनीषा ने ट्वीट करते हुए लिखा, मुझे मामूली खांसी की शिकायत हुई थी। जिसके बाद इसने मुझे डराकर रख दिया। मैंने अपना कोरोना वायरस टेस्ट करवाया। जिसमें मैं निगेटिव पायी गई हूं। मनीषा कोइराला के जानकारी शेयर करने के बाद सोशल मीडिया पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

जैकलीन ने शुरू की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज अपनी फोटो और वीडियोज को लेकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। कोरोना काल में लम्बे समय बाद निर्माताओं ने फिल्मों की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में जैकलीन फर्नांडीज ने भी अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इसकी जानकारी जैकलीन ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी। खबर के मुताबिक, जैकलीन कुछ दिन पहले शूटिंग करने वाली थीं। हालांकि, सेट पर कुछ क्रू सदस्यों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद शूटिंग को अचानक रोक दिया गया। अब जैकलीन पूरी सुरक्षा में वापस आ गई हैं। जैकलीन फिलहाल किसी भी फिल्म की शूटिंग नहीं कर रही हैं। वो ब्रांड और विज्ञापनों के लिए शूटिंग कर रही हैं। जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में जैकलीन क्रू मैंबर्स के साथ नजर आ रही हैं। सभी मास्क लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस तस्वीर में जैकलीन के सामने मेकअप का सामान भी रखा हुआ नजर आ रहा है। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए जैकलीन ने लिखा-मैं भूल गई थी कि शूट की लाइफ मस्त होती है। वापसी के लिए आभारी हूं।

नेहा कक्कड़ की शादी को लेकर सिंगर विशाल ददलानी हुए 'कन्फ्यूज'

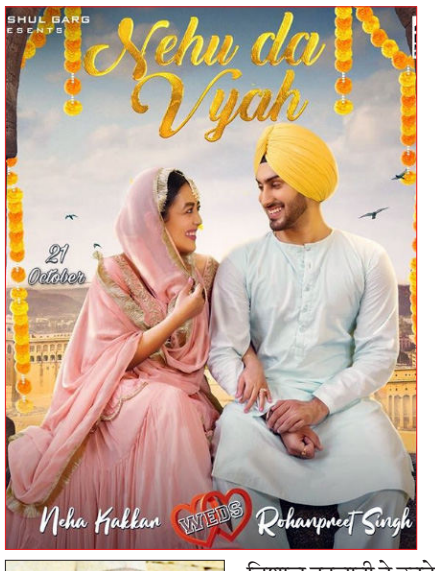

सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह के नए गाने का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसने 'इंडियन आइडल' के को-जज विशाल ददलानी को कन्फ्यूज कर दिया है। दरअसल, कई दिनों से नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत की शादी की चचाएं हो रही हैं। हाल ही में नेहा और रोहनप्रीत ने अपना रिलेशनशिप स्टेटस भी एक-दूजे संग कन्फर्म किया है। म्यूजिक कंपोजर विशाल ददलानी ने उनके लेटेस्ट पोस्टर पर कॉमेंट करके पूछा है कि नेहा तुम रोहनप्रीत से शादी कर भी रही हो, साफ-साफ बताओ। विशाल ददलानी लिखते हैं, अरे, मैं अब फिर से कन्फ्यूज हो गया। नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह, तुम्हारी शादी हो रही है या यह पोस्टर नई फिल्म या गाने का है? साफ-साफ बताओ तुम दोनों।

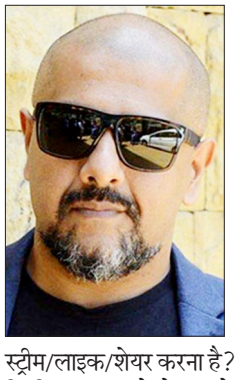

कपड़े सिलवाने हैं या डाउनलोड/स्ट्रीम/लाइक/शेयर करना है? फैन्स कॉमेंट कर रहे हैं और कह रहे हैं कि विशाल सर को तो पता होना चाहिए, आखिर वह नेहा के भाई जो हैं। बता दें कि नेहा और रोहनप्रीत का वीडियो सॉन्ग 'नेहू द व्याह' 21 अक्टूबर को रिलीज होने वाला है। नेहा कक्कड़ ने वीडियो सॉन्ग का ऑफिशियल पोस्टर जारी किया, जिसमें उनके साथ रोहनप्रीत सिंह बैठे नजर आए। पोस्टर में नेहा पिंक कलर के सूट में दिख रही हैं।